ई ई एस एल

एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज़ लिमिटेड

विद्युत मंत्रालय के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की संयुक्त उद्यम कंपनी

नवोन्मेषी ऊर्जा

त्योहारी मौसम में ऊर्जा दक्षता: हरित तरीके से उत्सव मनाएं

अक्टूबर 2024

स्विच करो, सेव करो

विषय सूची

संपादक की कलम से
नितिन भट्ट, उप महाप्रबंधक, जनसंपर्क एवं विपणन, ईईएसएल

सीईओ डेस्क,
सतत उत्सवों को अंगीकार करना: हरित भविष्य के लिए ईईएसएल की प्रतिबद्धता-श्री विशाल कपूर, सीईओ, ईईएसएल।

इंडक्शन कुकटॉप के साथ त्योहारी व्यंजन के स्वाद
श्री अतुल यादव, उप प्रबंधक, ईईएसएल

एलईडी से जगमगाएं दिवाली और करें ऊर्जा की बचत
श्री अनिल अग्रवाल, उप प्रबंधक, ईईएसएल

कार्बन उत्सर्जन पर विजय: एक स्वच्छ और हरित दशहरा
श्रीमती अंजलि यादव, पीआर अधिकारी

हरित हुई त्योहार की खरीदारी: इस दिवाली ऊर्जा दक्षता अपनाएं
श्रीमती प्रियल प्रकाश, पीआर अधिकारी

हमारी टीम

डिजाइन: श्री अनिमेष मिश्र, मुख्य महाप्रबंधक एवं प्रमुख जनसंपर्क एवं विपणन ईईएसए, अक्षय अरोड़ा, लेखा प्रबंधक, जनसंपर्क एवं विपणन ईईएसएल

संपादक: श्री नितिन भट्ट, उप महाप्रबंधक, जनसंपर्क एवं विपणन

उप संपादक: सुश्री अंजलि यादव, जनसंपर्क अधिकारी, ईईएसएल

संपादक की कलम से

श्री नितिन भट्ट
उप महाप्रबंधक, विवक्रय एवं जनसंपर्क, ईईएसएल

प्रिय पाठक,

जैसे ही हम मस्ती, रौनक और परंपराओं से ओतप्रोत त्योहारों के इस खुशियों भरे मौसम में कदम रखते हैं, यह एक शानदार मौका है कि हम सोचें कि इसे और ज्यादा पर्यावरण के अनुकूल कैसे बना सकते हैं। त्योहारों की सजावट, रोशनी और स्वादिष्ट पकवान, जो इस मौसम की पहचान हैं, उत्सव की भावना को पूरी तरह संजोये रखते हुए एक हरित जीवनशैली का हिस्सा बन सकते हैं।

ईईएसएल के इस न्यूज़लेटर का विषय है, "उत्सव के मौसम में ऊर्जा दक्षता: हरित त्योहार मनाने का तरीका।" इस अंक में, हम दिखाते हैं कि कैसे ऊर्जा की खपत में छोटे-छोटे बदलाव इस उत्सव को पर्यावरण के लिए अधिक अनुकूल बना सकते हैं।

जैसे "इंडक्शन कुकिंग के साथ त्योहारी व्यंजन को स्थायी रूप से पकाना" आलेख में हम इलेक्ट्रिक कुकिंग के लाभों पर बात कर रहे हैं, जो न केवल स्वादिष्ट भोजन पकाने में मदद करता है, बल्कि हमारे पर्यावरण को स्वस्थ और हरा-भरा बनाए रखने में भी योगदान देता है। "एलईडी से रोशन करें: दिवाली का उजाला और ऊर्जा का कम उपयोग" लेख हमें पारंपरिक दीया-बाती और रोशनी के साथ ऊर्जा-दक्ष एलईडी लाइटों का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करता है, जिससे परंपरा और स्थिरता का खूबसूरत संगम हो सके।

इसी तरह, "त्योहारी खरीदारी में हरित पहल: इस दिवाली अपनाएं ऊर्जा दक्षता " आलेख में बीएलडीसी फैन से लेकर 5-स्टार रेटेड एसी जैसे ऊर्जा-कुशल उपकरणों के उपयोग की सलाह दी गई है, जिससे न केवल बिजली की बचत होती है, बल्कि हमारे कार्बन फुटप्रिंट में भी कमी होती है। "स्वच्छ और हरित दशहरा के लिए कार्बन उत्सर्जन पर विजय" हमें अच्छाई की बुराई पर विजय जैसे गहरे संदेश की याद दिलाता है –– और इसे पर्यावरण की देखभाल से जोड़ता है।

अंत में, "सतत उत्सवों को अंगीकार करना: हरित भविष्य के प्रति ईईएसएल की प्रतिबद्धता" आलेख में हमारे सीईओ यह बताते हैं कि कैसे हम ऊर्जा दक्षता को मुख्यधारा में लाने और इसे सभी के लिए एक फायदेमंद समाधान तैयार करने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं।

इस त्योहार के मौसम में, आइए हम अपने त्योहार को जिम्मेदारी के साथ मनाने का संकल्प लें, ताकि हमारी खुशियों का यह उजाला हमारे पर्यावरण के लिए भी एक सकारात्मक संदेश छोड़ जाए। हर छोटा कदम – चाहे वह एलईडी लाइटों का उपयोग हो, ऊर्जा-कुशल उपकरणों का चयन हो, या इलेक्ट्रिक कुकिंग का विकल्प – एक हरित भविष्य की ओर बढ़ने का संकेत है।

हम सब मिलकर इस त्योहार की रौनक को कायम रखते हुए एक अक्षय और सुंदर भविष्य की ओर बढ़ सकते हैं। जैसे हम अपने घरों को रोशनी से सजाते हैं और खुशियों के पल साझा करते हैं, वैसे ही एक स्वच्छ, ऊर्जा-दक्ष भविष्य की ओर भी रौशनी का मार्ग प्रशस्त करें। इस उत्सव में, आइए अपने ग्रह की देखभाल के साथ खुशियों का जश्न मनाएं, क्योंकि आज का हरित उत्सव आने वाली पीढ़ियों के लिए एक उज्जवल भविष्य की बुनियाद रखेगा।

सतत उत्सवों को अंगीकार करना : हरित भविष्य के प्रति ईईएसएल की प्रतिबद्धता

सीईओ डेस्क

श्री विशाल कपूर,

सीईओ, ईईएसएल

हाल के वर्षों में भारत में ऊर्जा दक्षता का बाजार तेजी से बढ़ा है। इसके पीछे कुछ अहम कारण हैं—सरकार की सकारात्मक नीतियां, निजी क्षेत्र की भागीदारी, और जलवायु परिवर्तन के प्रति लोगों में जागरुकता। दुनिया में अपनी जिम्मेदारियों को निभाने और तेजी से बढ़ते ऊर्जा लक्ष्यों को हासिल करने के लिए, भारत जैसे देश का इस दिशा में लगातार आगे बढ़ना ज़रूरी हो गया है। पिछले 13 वर्षों से, हम ऊर्जा दक्षता को मुख्यधारा में लाने और स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने में जुटे रहे हैं। हमारा मिशन "अधिक सक्षम बनाना" है, जिसमें हम हर किसी के लिए लाभकारी समाधान देने का प्रयास करते हैं। भविष्य के परिवर्तनकारी समाधानों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए हमने बाजार तक पहुंचने का लक्ष्य तय किया है। ये समाधान सभी हितधारकों के लाभ के लिए हैं। हमने इस उपलब्धि के लिए आखिर कया क्या ?

ईईएसएल ने दुनिया का सबसे बड़ा ऊर्जा दक्षता पोर्टफोलियो तैयार किया है, जिसमें उजाला (सभी के लिए सस्ती एलईडी लाइट), स्ट्रीट लाइट नेशनल प्रोग्राम, स्मार्ट मीटर प्रोग्राम और ई-मोबिलिटी जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। इन पहलों ने हमें नए दृष्टिकोण विकसित करने में सक्षम किया है, जिससे तेज़ी से बड़े बदलाव देखने को मिले हैं।

एलईडी लाइटिंग के क्षेत्र में हमारे प्रयासों से 36 करोड़ एलईडी लाइटों का वितरण हुआ है, जिससे लगभग 9 करोड़ घरों को लाभ मिला है, और 1500 से अधिक शहरी क्षेत्रों में 1 करोड़ से अधिक स्मार्ट स्ट्रीट लाइटें लगाई गई हैं। हमने 12,710 सरकारी भवनों को भी अधिक ऊर्जा-कुशल बनाया है। इन कदमों ने भारत की ऊर्जा खपत को 57 बिलियन यूनिट तक घटाने, 11,200 मेगावाट की मांग को कम करने और प्रतिवर्ष 455 करोड़ टन CO2 उत्सर्जन में कटौती करने में मदद की है। साथ ही, 50,000 से अधिक लोगों के लिए प्रत्यक्ष और परोक्ष रोजगार के अवसर भी उत्पन्न किए हैं।

सतत भविष्य की दिशा में बदलाव

ईईएसएल के कार्यक्रम लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव का कारण बने हैं। इसका सबसे अच्छा उदाहरण है—इन्कैंडेसेंट बल्बों को एलईडी में बदलना, जिससे न केवल बिजली के बिल कम हुए हैं बल्कि घरों की आय भी बढ़ी है। इसके परिणामस्वरूप, परिवारों की जीवन गुणवत्ता में सुधार हुआ है, और स्थानीय समुदायों में खुशहाली आई है। बेहतर प्रकाश व्यवस्था के कारण बच्चे अब रात में पढ़ाई कर सकते हैं, और परिवारों के छोटे व्यवसायों में उत्पादकता भी बढ़ी है। कुछ जगहों जैसे सार्वजनिक स्थानों पर बेहतर प्रकाश व्यवस्था के कारण स्थानीय व्यापार में भी बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ही, सुरक्षा में सुधार हुआ है और दुर्घटनाओं की दर भी घट गई है।

पिछले साल, हमने नेशनल एफिशिएंट कुकिंग प्रोग्राम (एनईसीपी) के तहत लद्दाख में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को 2000 से अधिक इंडक्शन कुकटॉप दिए हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने में मददगार साबित हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त, भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत 14वें क्लीन एनर्जी मिनिस्टरियल में हमने ऊर्जा-दक्ष प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए ₹700 करोड़ के समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस तरह के प्रयास हमारे सामूहिक हरित भविष्य को साकार करने में मदद करते हैं। हम आशा करते हैं कि ये कदम हमें और आपको एक स्थायी और उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाएंगे।

हमारी यात्रा का एक और महत्वपूर्ण मुकाम हमारे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, ईईएसएलमार्ट का विस्तार है। प्रारंभ में, ईईएसएलमार्ट पर ऊर्जा दक्षता वाले उपकरणों का चयन उपलब्ध था, जिन्हें ईईएसएल ने खुद चयनित और प्रमाणित किया था। हालांकि, उपभोक्ताओं को अधिक विकल्प देने की आवश्यकता को पहचानते हुए, हम इस प्लेटफॉर्म को एक अधिक समावेशी बाजार में विकसित कर रहे हैं, जहां कई निर्माताओं के उत्पाद होंगे जो न्यूनतम गुणवत्ता और ऊर्जा दक्षता के स्तर को पूरा करते हैं। इससे पर्यावरण के प्रति जागरूक उपभोक्ताओं को विभिन्न कीमतों, ब्रांडों और प्रकारों में ऊर्जा दक्षता वाले उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला तक पहुंच प्राप्त होगी।

भारत त्योहारों का जश्न मनाने जा रहा है और ईईएसएल को जश्न में शरीक होने को लेकर गर्व है, और हम टिकाऊ, किफायती और बड़े पैमाने पर ऊर्जा दक्षता समाधान प्रदान कर रहे हैं।

इंडक्शन कुकिंग के साथ त्योहारी व्यंजन का स्वाद

सततता क्यों आवश्यक है?

1987 की ब्रंटलैंड रिपोर्ट "हमारा साझा भविष्य" में कहा गया था कि सतत विकास वह विकास है जो बिना भविष्य की पीढ़ियों की जरूरतों से समझौता किए वर्तमान पीढ़ी की जरूरतों को पूरा करता है । इसका मतलब है कि भोजन, पानी और ऊर्जा जैसी हमारी बुनियादी ज़रूरतों को इस तरह संतुलित करना कि हमारे पर्यावरण, अर्थव्यवस्था और समाज का दीर्घकालिक भला हो।

अकसर हम ध्यान नहीं देते कि हमारा खाना पकाने का तरीका पर्यावरण और स्वास्थ्य पर क्या असर डालता है। सही तरीके से पकाया गया भोजन न केवल सेहतमंद होता है, बल्कि यह सतत विकास के लक्ष्यों जैसे शून्य भूख, स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु संरक्षण की दिशा में भी एक कदम है।

सतत खाना पकाना क्या है?

हम क्या खाते हैं और कैसे पकाते हैं, इसका सीधा असर हमारे स्वास्थ्य और पर्यावरण पर पड़ता है। थोड़े से बदलावों के ज़रिए हम शून्य भूख (जीरो हंगर), जलवायु संरक्षण, सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा जैसे सतत विकास लक्ष्यों को समर्थन दे सकते हैं। इसका मतलब यह है कि हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हम किस तरह के ईंधन से खाना बना रहे हैं, क्या खा रहे हैं और बचे हुए भोजन का क्या कर रहे हैं। सही तरीके से भोजन पकाना हमारी सेहत, पर्यावरण और पूरे ग्रह के लिए फायदेमंद होता है।

सतत खाना पकाने का महत्व

भारत समेत कई देशों में लकड़ी और कोयले जैसे पारंपरिक ईंधन से खाना पकाना आम है। यह न केवल प्रदूषण बढ़ाता है, बल्कि वनों की कटाई और जलवायु परिवर्तन का कारण भी बनता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत में हर साल 10 लाख से अधिक लोग इस प्रकार के घरेलू प्रदूषण के कारण जान गंवा देते हैं। दुनिया भर में लगभग 2.4 बिलियन लोग इन पुराने तरीकों पर निर्भर हैं, जिससे लाखों का आर्थिक नुकसान होता है।

अगर हमें जलवायु, जैव विविधता और सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल करना है, तो इलेक्ट्रिक कुकिंग जैसे स्वच्छ और सुरक्षित विकल्पों को अपनाना अनिवार्य है। इंडक्शन कुकिंग का उपयोग प्रदूषण और उत्सर्जन को कम करने में अहम भूमिका निभा सकता है।

श्री अतुल यादव
उप प्रबंधक, ईईएसएल

सतत तरीके से खाना कैसे पकाएं?

सतत तरीके से खाना पकाने के लिए, अनावश्यक बिजली का उपयोग कम करना और पानी की बचत करना अहम है। पानी की कम मात्रा से शुरुआत करें और जरूरत पड़ने पर ही और जोड़ें। मीठा बनाते समय, प्राकृतिक शर्करा जैसे शहद, स्टेविया, या मेपल सिरप का उपयोग करना अच्छा होता है। भोजन की बर्बादी रोकना भी ज़रूरी है – जितना खाया जा सके उतना ही पकाएं, बचे हुए का फिर से उपयोग करें, और फ्रिज में जल्दी खराब होने वाले खाद्य पदार्थों का उपयोग पहले करें।

सततता की जिम्मेदारी हम सबकी है, और सही खाना पकाने के तरीकों को अपनाकर हम सभी को इसका लाभ पहुंचा सकते हैं।

इस त्योहार क्यों न अपनाएं इलेक्ट्रिक कुकिंग: समुदाय सशक्तिकरण और सतत विकास के लिए और प्रकृति को फिर से जीवित करने उसकी समृद्धि के लिए

त्योहारों के मौसम में, केवल स्वादिष्ट व्यंजन ही नहीं, बल्कि उस भोजन की टिकाऊ प्रकृति पर भी ध्यान देने का समय है। इंडक्शन कुकिंग अपनाने से हम धुएं और प्रदूषकों को कम कर सकते हैं, जिससे हमारे पर्यावरण पर सकारात्मक असर पड़ता है। इसके अलावा, इंडक्शन कुकिंग से महिलाएं समय बचा सकती हैं, जिससे वे शिक्षा या आय-सृजन के कार्यों पर अधिक ध्यान दे सकें।

इंडक्शन कुकिंग न केवल पर्यावरण के लिए बेहतर है, बल्कि यह स्थानीय आर्थिक अवसरों को भी बढ़ावा देती है। इससे स्वच्छ तकनीकों के निर्माण और वितरण में रोजगार के अवसर भी पैदा होते हैं। ऊर्जा-कुशल उपकरणों का उपयोग करके हम सुरक्षित, हरित और किफायती खाना पकाने को बढ़ावा दे सकते हैं।

इस दिवाली को स्वादिष्ट, सतत भोजन और हरित भविष्य की प्रतिबद्धता के साथ मनाएं और धरती की देखभाल करने की अपनी जिम्मेदारी को याद रखें।

एलईडी से जगमगाएं दिवाली और करें ऊर्जा की बचत

दिवाली, प्रकाश का त्योहार, हमारे जीवन में खुशी, उमंग और रौनक का प्रतीक है। परंपरागत रूप से इस दौरान दीये और मोमबत्तियाँ जलाकर घरों और गलियों को रोशन किया जाता है, जो अंधकार पर प्रकाश की विजय को दर्शाते हैं। लेकिन आज, जब पर्यावरण पर हमारे कार्यों का प्रभाव समझ में आने लगा है, लोग इस त्योहार को एक नए तरीके से मना रहे हैं—एलईडी लाइट्स का उपयोग करके, जो न केवल ऊर्जा-संवेदनशील हैं बल्कि पर्यावरण के प्रति भी ज़िम्मेदारी का भाव रखते हैं।

एलईडी लाइट्स, पारंपरिक रोशनी का एक आधुनिक और कुशल विकल्प हैं। पुराने इन्कैंडेसेंट बल्ब्स जो ऊर्जा का अधिकतर हिस्सा गर्मी में बदल देते हैं, के मुकाबले, , एलईडी ज़्यादा ऊर्जा को प्रकाश में बदलते हैं, जिससे कम बिजली की खपत होती है। दिवाली के दौरान, जब रोशनी की मांग बढ़ जाती है, एलईडी लाइट्स विशेष रूप से उपयोगी हो जाता है, क्योंकि ये कम बिजली में भी अच्छा प्रकाश देती हैं। इससे न केवल बिजली के बिल कम होते हैं, बल्कि कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आती है। एलईडी लाइट्स का उपयोग यह सुनिश्चित करता है कि त्योहार की चमक भी बनी रहे, और पर्यावरण के प्रति भी हमारी ज़िम्मेदारी भी पूरी हो।

श्री अनिल अग्रवाल
उप प्रबंधक, ईईएसएल

एलईडी लाइट्स का एक और लाभ यह है कि वे कई रंगों और डिज़ाइनों में उपलब्ध हैं, जो रचनात्मक सजावट के लिए अनगिनत विकल्प प्रदान करती हैं। चाहे चमकती स्ट्रिंग लाइट्स हों या जटिल पैटर्न, एलईडी बिना पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए दिवाली की रौनक बढ़ाते हैं। इनकी लंबी उम्र और टिकाऊपन का मतलब है कि इन्हें बार-बार बदलने की ज़रूरत नहीं पड़ती, जिससे कचरा भी कम होता है और यह अधिक टिकाऊ विकल्प बन जाते हैं।

एलईडी का इस्तेमाल केवल पर्यावरण के लिए ही नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी लाभदायक है। बिजली के बिल में होने वाली बचत से न केवल घर का खर्च कम होता है, बल्कि लोगों की आर्थिक स्थिति पर भी सकारात्मक असर पड़ता है। इससे उनकी आय में बढ़ोतरी होती है और स्थानीय समुदायों में समृद्धि आती है।

ईईएसएल (एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड) ने भारत में ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने में बड़ी भूमिका निभाई है। उजाला (सभी के लिए सस्ती एलईडी) और स्ट्रीट लाइट नेशनल प्रोग्राम (एसएलएनपी) जैसे प्रयासों ने पारंपरिक रोशनी से एलईडी में बदलाव के लिए प्रेरणा का काम किया है। खासतौर पर उजाला ने लाखों घरों में एलईडी लाइट्स की पहुँच सुनिश्चित की है, जिससे देशभर में ऊर्जा की खपत में कमी आई है।

ईईएसएल की एक नई पहल रीचार्जेबल इन्वर्टर बल्ब है, जो बिजली गुल होने पर चार घंटे तक की बैटरी बैकअप देता है। यह एलईडी बल्ब यह सुनिश्चित करता है कि बिजली कटने पर भी घर में रोशनी बनी रहे। इसके साथ ही, ईईएसएल के एलईडी बल्ब 90% तक ऊर्जा बचत प्रदान करते हैं, जिससे भारतीय उपभोक्ता अपने देश के ऊर्जा परिवर्तन में सक्रिय रूप से भाग ले सकते हैं। इनमें से एक खास प्रोडक्ट 5-स्टार रेटेड 6-वाट एलईडी बल्ब है, जो 30% कम बिजली का उपयोग करते हुए उतनी ही रोशनी देता है, जिससे उपभोक्ताओं को दोहरा लाभ मिलता है। इसके अलावा, ईईएसएल के एलईडी ट्यूब लाइट्स घरों और सार्वजनिक स्थानों को और भी हरित, स्वच्छ और उज्ज्वल बनाते हैं।

दिवाली पर एलईडी का उपयोग करना केवल व्यावहारिक ही नहीं बल्कि दिवाली के गहरे अर्थ का सम्मान भी है। दिवाली अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है, और ऊर्जा-कुशल लाइटिंग अपनाकर हम इस भावना को आधुनिक, पर्यावरण-हितैषी तरीके से मनाते हैं। ईईएसएल की पहल ने इस बदलाव का मार्ग प्रशस्त किया है, जिससे दिवाली को पूरी रौनक के साथ मनाते हुए पर्यावरण पर हमारा असर कम हो सके।

दिवाली के लिए एलईडी का चुनाव न केवल घरों को बल्कि दिलों को भी रोशन करता है, क्योंकि यह छोटा-सा बदलाव हमारे ग्रह पर बड़ा असर डालता है। इसके साथ हम एक ऐसा त्योहार मनाते हैं जो न केवल उज्जवल बल्कि अधिक ज़िम्मेदार भी है, जो स्थिरता और जागरूकता के मूल्यों के साथ पूरी तरह मेल खाता है।

कार्बन उत्सर्जन पर विजय: एक स्वच्छ और हरित दशहरा

श्रीमती अंजलि यादव
पीआर अधिकारी

दशहरा, अच्छाई की बुराई पर जीत का प्रतीक है—जब भगवान राम ने रावण को हराकर मानवता को उसके अत्याचार से मुक्त किया। आज की दुनिया में, हम एक नए रावण का सामना कर रहे हैं, जो कार्बन उत्सर्जन के रूप में हमारे सामने है। हम सभी अपनी भूमिका निभा सकते हैं, ठीक वैसे ही जैसे भगवान राम ने निभायी थी, ऊर्जा-कुशल और सतत तरीकों को अपनाकर कार्बन उत्सर्जन के इस आधुनिक रावण को हम परास्त कर सकते हैं। ईईएसएल में, हमने कई ऊर्जा-कुशल और टिकाऊ उपकरणों की शुरुआत की है, जैसे 6-वाट एलईडी बल्ब, 10-वाट इन्वर्टर बल्ब, बीएलडीसी पंखे, ऊर्जा-कुशल एसी, और इंडक्शन कुकटॉप्स। ये उपकरण हमारे संघर्ष के हथियार हैं, जो कम ऊर्जा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं, और साथ ही कार्बन उत्सर्जन को कम करते हैं।

कार्बन उत्सर्जन क्या है और इसमें कटौती क्यों महत्वपूर्ण है ?

जीवाश्म ईंधन के जलने से निकलने वाला CO2 वायुमंडल में गर्मी को अवशोषित कर ग्रीनहाउस के शीशे की तरह काम करता है, यह वातारण से गर्मी को सोख कर इसे अंतरिक्ष में जाने से रोक देता है जिससे धरती का तापमान बढ़ता है। इस वजह से जलवायु परिवर्तन होता है, जिससे अधिक तीव्र तूफान, सूखा और समुद्र का स्तर बढ़ने जैसे संकट उत्पन्न होते हैं।

पर्यावरण सुरक्षा एक महत्वपूर्ण लक्ष्य कार्बन उत्सर्जन को कम करना है। यह हमारे पर्यावरण की सुरक्षा के लिए आवश्यक है। प्रभावी रणनीतियों में कार्बन के स्रोत को कम करना शामिल है। जब हम अपना कार्बन फुटप्रिंट घटाते हैं, तो हम जलवायु परिवर्तन से लड़ने और धरती की सेहत को बनाए रखने में योगदान देते हैं।

ईईएसएलमार्ट: हमारा 'ब्रह्मास्त्र'

ईईएसएलमार्ट हमारे लिए कार्बन उत्सर्जन के इस रावण पर विजय पाने का 'ब्रह्मास्त्र' है। हमारा हाल ही में लॉन्च किया गया यह ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म उन सभी लोगों के लिए टिकाऊ उत्पादों की सुविधा उपलब्ध कराता है, जो पर्यावरण के प्रति जागरूक हैं। साथ ही, हमारा 'ऊर्जा वीर' अभियान लोगों तक टिकाऊ उत्पादों को पहुँचाने में सहायक है। हमारे 'ऊर्जा वीर' 'ऊर्जा वीर क्यूआर कोड' के माध्यम से 6-वाट एलईडी बल्ब, 10-वाट इन्वर्टर बल्ब, बीएलडीसी पंखे और इंडक्शन कुकटॉप्स जैसे उत्पादों को अधिक लोगों तक पहुँचाने में मदद कर रहे हैं।

एक हरित दशहरा: हमारी पृथ्वी के लिए एक कदम

इस दशहरे, अच्छाई की बुराई पर विजय के इस संदेश को हमारे पर्यावरण तक भी पहुंचाएं। आइए कार्बन उत्सर्जन को कम करने और टिकाऊ तरीकों को अपनाने का संकल्प लें। हमारे छोटे-छोटे प्रयास मिलकर एक स्वच्छ और हरित भविष्य बना सकते हैं। हम अपने उत्सवों को जी-भर कर मनाते हुए भी धरती की सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा सकते हैं। इस दशहरे को एक नई शुरुआत का प्रतीक बनाएं, जिससे हम खुशी और जिम्मेदारी का संतुलन साध सकें और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर और हरित धरती छोड़ सकें।

हरित हुई त्योहार की खरीदारी: इस दिवाली ऊर्जा दक्षता अपनाएं

श्रीमती प्रियल प्रकाश
पीआर अधिकारी

त्योहारों का मौसम सामने है—हर ओर रौनक, घरों में जगमगाती रोशनी, और हर दिल में खुशियों की लहर। इस साल, जब पूरे भारत में लोग दिवाली की तैयारियां कर रहे हैं, तो एक नया चलन देखने को मिल रहा है—पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा-कुशल दिवाली। जैसे-जैसे रोशनी का यह पर्व करीब आता है, एक सवाल उठता है—हमारी खुशियां, परंपराएं और घर अधिक टिकाऊ और जागरूक विकल्पों के साथ और भी रोशन हो सकते हैं क्या ?

हां, दिवाली हमारे लिए रोशनी, परंपरा और स्वादिष्ट भोजन का त्योहार है, लेकिन अब इसके साथ एक और भावना भी जुड़ गई है—पर्यावरण की देखभाल। यह एक अनोखा अवसर है जब हम परंपरा और जागरूक उपभोक्ता व्यवहार एक साथ ला सकते हैं। इस साल दिवाली मनाते हुए, ऊर्जा-कुशल उपकरणों को चुनना एक बेहतरीन कदम हो सकता है।

इस दिवाली, ऊर्जा दक्षता का महत्व

दिवाली का मतलब अपने घरों को रोशन करना भर नहीं है; यह हमारे मन और दिलों को भी प्रकाशित करना है। इस दृष्टिकोण से, ऊर्जा-कुशल उत्पादों को चुनना न केवल एक आर्थिक निर्णय है, बल्कि एक भावनात्मक निर्णय भी है। यह लंबे समय के लिए सोचने की बात है—हमारे ग्रह और आने वाली पीढ़ियों के लिए।

भारत की बढ़ती शहरी आबादी ने ऊर्जा संसाधनों पर भारी दबाव डाला है, और त्योहारों के दौरान मुख्यतः सजावटी रोशनी और घरेलू गतिविधियों के कारण बिजली की खपत काफी बढ़ जाती है । 5-स्टार रेटेड एसी, बीएलडीसी पंखे, एलईडी बल्ब और इंडक्शन कुकटॉप्स जैसे ऊर्जा-कुशल उपकरणों का उपयोग करके, हम न केवल अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम कर सकते हैं, बल्कि अपने बिजली के बिल में भी बचत कर सकते हैं। इसका मतलब है कि आप पैसे बचाते हैं और साथ ही एक महत्वपूर्ण उद्देश्य में योगदान देते हैं— वह उद्देश्य है भविष्य की पीढ़ियों के लिए पर्यावरण की रक्षा करना।

इस दीवाली क्या यह जानना अच्छा नहीं होगा कि हमारे घरों की अतिरिक्त चमक इस ग्रह की कीमत पर तो नहीं होनी चाहिए।

परंपरा और स्थिरता के बीच संतुलन

त्योहारों का गहरा संबंध पारिवारिक परंपराओं से है, जिन्हें सम्मान के साथ विकसित किया जा सकता है। एक बेहतरीन उदाहरण है दिवाली में इस्तेमाल होने वाले पारंपरिक मिट्टी के दीये। ये दीये आशा और समृद्धि का प्रतीक होते हैं। आजकल इलेक्ट्रिक लाइट्स का चलन है, लेकिन प्राकृतिक सामग्रियों से बने जैविक दीये, जो घी या जैविक तेल से जलाए जाते हैं, एक पर्यावरण के अनुकूल तरीका प्रदान करते हैं जिससे हम अपनी जड़ों से फिर से जुड़ सकते हैं।

दीयों की तरह, ऊर्जा-कुशल उपकरण हमारे घरों और दिलों को रोशन कर सकते हैं। जैसे हम एक दीये की रोशनी का आनंद लेते हैं, वैसे ही ऊर्जा-कुशल उपकरणों के लाभों का भी आनंद ले सकते हैं जो बिना बर्बादी के गर्मजोशी देते हैं। एलईडी बल्ब का उपयोग करें, जो पारंपरिक बल्ब की तुलना में 80% कम ऊर्जा का उपयोग करते हैं, या इंडक्शन कुकटॉप्स, जो गैस स्टोव से अधिक कुशल हैं और ऊर्जा खपत और खाना पकाने में लगने वाले समय दोनों में कमी लाते हैं।

यह पर्यावरण और आपके घरेलू बजट दोनों के लिए फायदेमंद है। तो इस दीवाली पारंपरिक इनकैडेसेंट बल्ब की जगह एलईडी बल्ब लगाने पर विचार करें जिसमें बिजली की खपत 80 % कम हो जाती है या इंडक्शन कुकटॉप्स उपयोग करें, यह गैस के चूल्हे से सस्ते पड़ते हैं। ऊर्जा की खपत इसमें कम होती है औ 5र समय भी कम लगता है। इस तरह ये हर दृष्टि से लाभदायक हैं और घर के बजट के अनुकूल।

खुशियां कम किये बिना पर्यावरण के प्रति जागरुक बनना

यह एक सबसे बड़ी गलतफ़हमी कि हरित जीवनशैली को अपनाने के लिए हमें अपनी खुशियां कुर्बान करनी पड़ती हैं। लेकिन सच यह है कि इससे उत्सव की गरिमा और बढ़ जाती है। एक ऐसा घर जहां सॉफ्ट एलईडी लाइटिंग हो, टिकाऊ उपकरण हों और रसोई में ऊर्जा-कुशल किचन उपकरणों से जल्दी और आराम से पकवान बन रहे हों— कहीं जाने पर इससे बेहतर अनुभव और क्या हो सकता है?

इस दिवाली, असली खुशी इस बात में नहीं है कि हम ऊर्जा का व्य प्रदर्शन करते हैं बल्कि इस बात में है कि हम उन विकल्पों का चयन कर रहे हैं जो हमारे परिवार के साथ-साथ पृथ्वी के लिए लाभकारी हैं। जब आप ऊर्जा-कुशल उपकरण चुनते हैं, तो आप पैसे बचाते हैं, ऊर्जा खपत घटाते हैं, और पर्यावरण पर हमारे असर को कम करते हैं। यह वही भावना है जो दिवाली में होती है—रोशनी फैलाना, बिना किसी नुकसान के।

तो इस साल जब आप त्योहार की खरीदारी करने निकलें, तो सोचें कि आपके द्वारा किए गए हरित विकल्प कितनी गहरी छाप छोड़ेंगे। हरित दिवाली मनाकर हम न केवल त्योहार की परंपराओं को जीवित रख सकते हैं, बल्कि अपने पर्यावरण की सुरक्षा का कर्तव्य भी निभा सकते हैं।

इस दिवाली, चलिए हम केवल अपने घरों को ही नहीं, बल्कि अपने भीतर की उस रोशनी का भी जश्न मनायें जो तब और भी ज्यादा रौशन होती है जब हम जागरूकता और देखभाल के साथ अपने कार्य करते हैं।

महत्वपूर्ण ईईएसल समारोह

इइएसल ने जयपुर में आयोजित दक्षिण एशिया फोरम 2024(एसएसीइएफ) में सक्रिय भागीदारी की और ईईएसल मार्ट के स्टाल की मेजबानी की ऊर्जा दक्ष उपकरणों की श्रृंखला पदर्शित की गयी थी।

ईईएसल ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत विशेष अभियान 4 0 में भी भागीदारी की।

स्विच करो, सेव करो

ईईएसएल मार्ट के ऊर्जा दक्ष उपकरण : सतत भविष्य के लिए एक स्मार्ट विकल्प

ईईएसएल सुपर एफिसिएंट 1 और 1.5 टीआर ACs: एसीज

कूल रहें और बिजली की भारी बचत करें ईईएसएल सुपर एफिसिएंट 1 टीआर फाइव स्टार स्प्लिट एसीज के साथ

ईईएसएल सुपर एफिसिएंट 1.5 टीआर एसीज:

अपने घर के अंदर का वातावरण बेहतर करें ईईएसएल सुपर एफिसिएंट 1.5 टीआर एसीज के साथ

5 स्टार बीएलडीसी सीलिंग फैन्स:

अपने स्पेस को ऊर्जा दक्ष ईईएसएल 5 स्टार बीएलडीसी सीलिंग फैन्स के जरिये कूल करें

5 स्टार बीएलडीसी सीलिंग फैन्स (रिमोट के साथ) :

ईईएसएल के 5 स्टार बीएलडीसी सीलिंग फैन्स (रिमोट के साथ) साथ अपने घर को कूल करें।

ईईएसएल 1200 W इंडक्शन कुकटॉप

ईईएसएल 1200 W इंडक्शन कुकटॉप से स्मार्ट तरीके से जल्दी खाना बनाएं

इमर्जेंसी एलईडी बल्ब – 10 वाट:

बिजली जाने के बाद भी अपने घर को रौशन रखें, ईईएसएल के इमर्जेंसी एलईडी बल्ब – 10 वाट से।

20 वाट इंटिग्रेटेड बैटन ट्यूब लाइट:

अपने घर को रौशन करें ईईएसएल के 20 वाट इंटिग्रेटेड बैटन ट्यूब लाइट से

एलईडी बल्ब- 5 स्टार 6 वाट:

अनुभव करें एक चमकदार दक्षता, ईईएसएल के एलईडी बल्ब- 5 स्टार 6 वाट के साथ।

एलईडी बल्ब- 5 स्टार 6 वाट:

अनुभव करें एक चमकदार दक्षता, ईईएसएल के एलईडी बल्ब- 5 स्टार 6 वाट के साथ।
खरीदने के लिए स्कैन करें।

SCAN TO BUY

स्विच करो, सेव करो

कुछ उल्लेखनीय ऊर्जा विकास

नवीकरणीय ऊर्जा सेक्टर से 2027 तक 5-6 लाख सीधी भर्ती की संभावना

भारत का नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में कई शीर्ष व्यवसायिक घराने और बड़ी कंपनियां विस्तार की महत्वाकांक्षी योजनाएं बना रही हैं। प्रमुख उद्योग अधिकारियों का कहना है इन्हें इस क्षेत्र में प्रतिभा की कमी का सामना करना पड़ रहा है । टीम लीज़ डिग्री अप्रेंटिसशिप के डेटा से पता चलता है कि सौर, पवन, जल, बैटरी भंडारण के संपूर्ण क्षेत्र को मिला दें तो अगले तीन वर्षों में 17 लाख प्रत्यक्ष और परोक्ष रोजगार का सृजन होने की उम्मीद है। इस बीच कई कंपनियां अपना कार्यबल को बढ़ाने की योजना भी बना रही हैं।

भारतीय कार्बन बाजार को आकार देने के लिए बीईई के नए दिशा-निर्देशभारतीय कार्बन बाजार को आकार देने के लिए बीईई के नए दिशा-निर्देश

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) के अधिकारियों ने घोषणा की कि जारी किए गए जारी किए गए नए दिशा-निर्देश, भारत की जलवायु प्रतिबद्धताओं के साथ भारतीय कार्बन बाजार (आईसीएम) के भविष्य को आकार देंगे। उन्होंने सभी हितधारकों से दो नए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया है। 17 अक्टूबर, 2024 को हैदराबाद में एक कार्यशाला के दौरान, बीईई के उप महानिदेशक डॉ. अशोक कुमार, बीईई निदेशक सौरभ दीदी, प्राइसवाटरहाउसकूपर्स (PwC) के निदेशक के. सतीश, और बीईई के दक्षिणी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मीडिया सलाहकार ए. चंद्र शेखर रेड्डी ने ऊर्जा दक्षता और भारतीय कार्बन बाजार (आईसीएम) के प्रभाव पर एक विशेष पुस्तक का विमोचन किया।

भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 200 GW का आंकड़ा पार कर गई

भारत में कुल नवीकरणीय ऊर्जा-आधारित बिजली उत्पादन क्षमता (जिसमें छोटे और बड़े जल, बायोमास और सह-उत्पादन तथा अपशिष्ट-से-ऊर्जा शामिल हैं) ने सितंबर में 200 GW का आंकड़ा पार कर लिया। यह अब 201,457.91 MW तक पहुंच गया है। इसमें सौर ऊर्जा (90,762 MW) और पवन ऊर्जा (47,363 MW) का बड़ा हिस्सा है। यदि इसमें 8,180 MW परमाणु क्षमता जोड़ दी जाए, तो देश की कुल गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता का 46.3 प्रतिशत हो जाती है। राजस्थान (31.5 GW), गुजरात (28.3 GW), तमिलनाडु (23.7 GW) और कर्नाटक (22.3 GW) शीर्ष चार राज्य हैं जो नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में अग्रणी हैं। इसका पता केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के आंकड़ों से चलता है।

कुछ उल्लेखनीय ऊर्जा विकास

वित्त मंत्री ने यूरोपीय संघ के कार्बन टैक्स को 'व्यापार बाधक' कहा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को यूरोपीय संघ द्वारा भारतीय उत्पादों जैसे इस्पात और सीमेंट पर कार्बन टैक्स लगाने के निर्णय को 'एकपक्षीय', 'मनमाना' और 'व्यापार-बाधक' बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य भारतीय उद्योगों को नुकसान पहुंचाना है। यह कर यूरोपीय संघ के अपने 'गंदे' इस्पात को किसी और के खर्च पर हरा बनाने का बहाना है। फिनांशियल टाइम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ऊर्जा संक्रमण शिखर सम्मेलन में उन्होंने कहा कि भारत 2070 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जक बनने के लिए प्रतिबद्ध है।

आंध्र प्रदेश ने दक्षिण भारत के लिए 7 में से 3 डीईईपी पायलट परियोजनाएं हासिल कीं

आंध्र प्रदेश ने ऊर्जा दक्षता परियोजनाओं (डीईईपी) के प्रदर्शन के तहत तीन पायलट परियोजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा हासिल कर लिया है। यह ऊर्जा दक्षता सेवा लिमिटेड और ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) की एक संयुक्त पहल है। दक्षिण के सभी राज्यों को कुल सात परियोजनाएं मिलीं, आंध्र प्रदेश ने अकेले तीन परियोजनाएं हासिल कीं। डीईईपी पहल का उद्देश्य उद्योगों को उन्नत ऊर्जा दक्षता के लिए नवाचारी, बाजार-परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकियों को अपनाने में सहयेग करना है।

कैबिनेट ने अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता हब में शामिल होने के लिए भारत को 'लेटर्स ऑफ इंटेंट' पर हस्ताक्षर करने की मंजूरी दी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय कैबिनेट ने गुरुवार को 'लेटर्स ऑफ इंटेंट' पर हस्ताक्षर की मंजूरी दी, जिससे भारत 'एनर्जी इफिशिएंसी हब' में शामिल हो सकेगा। भारत अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता हब (हब) में शामिल होगा, जो ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक वैश्विक मंच है। यह कदम भारत की सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत करता है और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के प्रयासों के साथ मेल खाता है।

एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज़ लिमिटेड
विद्युत मंत्रालय के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की संयुक्त उद्यम कंपनी

पता: **एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल)**
पांचवां, छठा एवं सातवां तल, कोर -III, स्कोप
कॉम्प्लेक्स, 7 - लोधी रोड, नई दिल्ली - 110003

फोन : **011-45801260**

वेबसाइट: **www.eeslindia.org**

संपादकीय विवरण और विज्ञापन के लिए संपर्क करें :

amishra@eesl.co.in 011- 45801260

स्विच करो, सेव करो